कुछ संस्थाओं को जीप, स्क्रेप की रियायती दरों पर की गई बिक्री के विषय में जांच

4314. श्री निहाल सिंह : क्या रक्षा मंत्री ट्रकों, जीपों आदि की रियायती दरों पर की गई सप्लाई के बारे में 25 जून, 1980 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1950 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार इस मामले की जांच करने की व्यवस्था करने का है कि निम्नलिखित संस्थाओं, जिनको रक्षा मंत्रालय द्वारा रियायतों पर ट्रक, जीप और स्क्रेप सप्लाई किये गये थे वे केवल कागज पर ही हैं और यदि इन संस्थाओं द्वारा दिए गये पत्रों की सरकार ने जांच की तो कुछ नहीं मिलेगा, अर्थात्

(1) ग्राम सेवा आश्रम (शाखा) अलीगढ़, उ०प०,

(2) सर्वोदय सेवा समिति, मुजफ्फरनगर,

(3) नेहरू ग्राम उद्योग सेवा आश्रम, फैजाबाद,

(4) पिछड़े वर्गों का राष्ट्रीय संगठन, गांव सेवा-विश्व, अलीगढ़,

(5) भारतीय कृषक सेवा संघ, फैजाबाद, उ०प्र० ; और

(ख) क्या सरकार ने वाहनों और स्क्रैप की सप्लाई के समय इन संस्थाओं के बैंक खातों, रजिस्टरों आदि की जांच की थी और उनके कार्यालयों को पत्र भेजे गये थे, यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिवराज वी० पाटिल) : (क) और (ख). रक्षा सेवाओं के अतिरिक्त भंडार से वाहन/सामान देने की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार यह सामान कल्याण/धर्मार्थ तथा प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों को दिया जाता है बशर्ते कि उनकी मांग राज्य/केन्द्र सरकार के संबंधित विभाग के माध्यम से प्राप्त हुई हो और इस संबंध में संयुक्त सचिव या उससे ऊपर के रैंक के अधिकारी द्वारा निम्नलिखित प्रमाणपत्र दिया गया हो : (1) वास्तव में यह संस्था है। (2) इसकी मांग उचित है और (3) इसकी वित्तीय स्थिति अच्छी है। इसके साथ ही यह भी प्रमाणित किया गया हो कि संस्थान की वाहन/सामान खरीदने की सामर्थ है। इस प्रक्रिया के अनुसार प्रश्न के भाग (क) में उल्लिखित भारतीय कृषक संघ, फैजाबाद के सिवाय सभी संस्थानों को वाहन/सामान दिया गया था। यह सामान देने से पहले राज्य सरकार के संबंधित विभाग के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी से इन संस्थानों के बारे में अपेक्षित प्रमाण पत्र भी प्राप्त किये गए थे। नेहरू ग्राम उद्योग सेवा आश्रम ने वास्तविक प्राधिकार पत्र पर सामान लेने के अलावा जाली प्राधिकार पत्रों के आधार पर भी सामान लिया।

ऐसा अभ्यावेदन प्राप्त हुआ था कि कुछ संस्थानों ने जाली प्राधिकार पत्रों के आधार पर पानागढ़ डिपो (पश्चिम बंगाल) से सामान प्राप्त किया था। डिपो से पूछताछ करने पर मालूम हुआ कि नेहरू ग्राम उद्योग सेवा आश्रम, फैजाबाद और भारतीय कृषक सेवक संघ, फैजाबाद समेत कुछ संस्थानों ने जाली पत्रों के आधार पर सामान प्राप्त किया।

यह मामला जांच-पड़ताल के लिए केन्द्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दिया गया है। जांच अभी जारी है।

Proposal to layina our Modern Sanitary System in Cantonment Board, Kanpur

4315. SHRI A. U. AZMI : Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether the Kanpur Cantonment Board, Kanpur, had earlier submitted its proposal for laying out modern sani-